गुरूजी के वचन

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

गुरूजी के वचन जो उन्होंने समय समय पर कहे । आज भी ये वचन हमारा मार्गदर्शन करते हैं ।

"गुरु वचन"

गुरुजी की मेरे साथ बातचीत | "सबीना कोचर"

1. "पहले वी मै, हुन वी मै, ते बाद विच वी मै, ऐथे कोई गद्दी नही चलदी " - गुरुजी

गुरुजी हमेशा इस दैवीय गद्दी पर रहेगे | उन्होंने कहा मै था, मै हूँ और मै हमेशा रहूँगा | मेरा कोई वारिस नही है |

2. " मेरे वास्ते मेरा परिवार वी संगत है " - गुरुजी मेरे लिए मेरा परिवार भी संगत ही है और किसी के पास कोई रूहानी शक्ति नही है |

3."मै अपने भगत नू बहुत प्यार करना वां " गुरुजी मै अपने भगतों से बहुत प्यार करता हूँ और उनका बुरा वक्त ख़तम करता हू |

4. " जद जूती बार लान्दे हो ता अपनी इंटेलिजेंस वी बाहर ला के आया करो, ओदा ऐथे कोई कम नही" - गुरुजी

जब आप अपने जूते मंदिर के बाहर उतारते हो तो अपनी बुद्धि भी बाहर ही छोड कर आया करो, वो मेरे सामने किसी काम की नही है |

Scanned with CamScanner

5. "जेह मंदिर विच यां मेरे नाल सेलफोन यूज़ किता ते तेरी ब्लेस्सिंग्स ओनू ट्रान्सफर हो जानगी" - गुरुजी

मेरी उपस्थिति मे सेलफोन का प्रयोग मत करो वरना तुम्हारा आशीर्वाद उसे चला जायगा जिस से आप बात करोगे |

6. " जेह ज़िन्दगी दा घोडा मैनु देयो ते मै बिलकुल सिधा हाकांगा" - गुरुजी

अगर आप अपनी ज़िन्दगी की लगाम मुझे सौप देते हो तो मै तुम्हे सीधा मोक्ष तक ले जाता हूँ |

7. "घर दा एक मेम्बर वी जे मेरे कोल आ जावे ते पूरी फॅमिली दा कल्याण हो जानदा है" - गुरुजी अगर किसी घर से सिर्फ एक सदस्य भी मेरे पास आ जाता है तो पुरे परिवार को आशीर्वाद मिल जाता है |

8."सिर्फ किताबी पाठ, पाठ नही होंदा" - गुरुजी सिर्फ किताब से पाठ करना ही पाठ नही होता, अपना काम करना, नित नियम करना और अपने परिवार का धयान करना भी पाठ करना होता है|

9. "सबतो उच्चा पाठ, घरवाला घरवाली दी सेवा करे, घरवाली घरवाले दी सेवा करे, दोनो मिलकर अपने बच्चेयाँ न संवारो, अपने घर नू कलेश रहित रखो" - गुरुजी

Scanned with CamScanner

सबसे बडा पाठ तब होता है जब पति पत्नी की और पत्नी पति की तथा दोनो मिलकर बच्चों की अच्छे से देखभाल करते है और घर मे शांति बनाए रखते है |

10. "गुरुआ नु कदे वी कोंटराडिक्ट नही करदे " - गुरुजी ने मुझे कहा और पीछे मुडकर किसी से कहा "चल भाई लता मंगेशकर दा गाना लगा" हम सुनने लगे... फिर गुरुजी ने कहा "किन्ना सोना गांदी है ना आशा भोसले ?" ऐसे मे कोई क्या कहता, हम चुप रहे | गुरुजी ने अपना प्रश्न फिर दोहराया मैने कहा जी गुरुजी (ये सोच कर की गुरुजी कहते है गुरुआ नु कोंटराडिक्ट नही करदे)

11. "रब कदे वी नजर नही आन्दा" - गुरुजी मै केहा " मैनु त्वाडे विच नजर आन्दा है " तुम कभी भगवान को नही देख पाते, मैने कहा मुझे आप मे नजर आते है, और वो मुस्कुरा दिए |

12. "रब नु प्यार करो, ओदे कोलो डरो ना" - गुरुजी भगवान ने ही तो संसार बनाया है, सोलर सिस्टम बनाया है और सब कुछ उस परम पिता परमेश्वर ने ही तो बनाया है इसीलिए भगवान से प्यार करो, भगवान से डरो मत |

Scanned with CamScanner

13. "महापुरुशा दे लेवेल होदे ने, जो लोका दे मर्ज़ अपने उत्ते ले सकदा है ओ यूनिवर्स इच सिर्फ इक होनदा है, ओ मै हां" - गुरुजी |

महापुरुषों के ओहदे होते है और उनमे सबसे उपर सतगुरु होते है और वो मै हूँ | सिर्फ एक सतगुरु ही सबके मर्ज़ अपने उपर ले सकते है और उन्हें दुखो से मुक्त कर सकते है | हर कोई लोगो के मर्ज़ (बीमारियाँ) अपने उपर नही ले सकता है, उन्हें हुकम नही है, वो सिर्फ लोगो का मार्गदर्शन कर सकते है | ऐसा मनुष्य किस काम का अगर वो भगवान का शुकराना ना कर सके |

14. "कदे किसे दी रीस नही करनी चाहीदी " - गुरुजी

कभी किसी की देखा देखी अपनी चादर के बाहर पैर नही पसारने चाहिए |

15. "पंडिता दे चक्करा विच नही पेना चाहिदा, ऊना नु पूरा ज्ञान नही होनदा" - गुरुजी

पंडितों पर अन्धविश्वास नही करना चाहिए | अगर कोई ऐसा मिल गया जिसे पूरा ज्ञान नही है तो आपका नुकसान हो सकता है | मैने कहा की हम पंडितों के नही जाते तो गुरुजी ने कहा की मै आम बात कर रहा हूँ |

Scanned with CamScanner

16. "लोकी **birth stone** ते खुशहाली वास्ते पा लेंदे ने, जे ओहियो पत्थर पुट्ठा असर कर रेहा होवे तां की ? नही पाना चाहिदा" - गुरुजी |

अपनी खुशहाली के लिए **birth stone** कभी मत पहनो, कोई पत्थर उलटा असर कर रहा हो तब क्या ? मैने गुरुजी से कहा कि हम चारो (मै, मेरे पति तथा दोनो बच्चे) ने कभी **birth stone** नही पहने | गुरुजी ने कहा की मै आम बात कर रहा हूँ |

17. "गणेश दा स्थान मंदिर विच है " - गुरुजी | गणेश जी का स्थान मंदिर में है ना की लोगों के घरों के फर्शों पर यां सजावटी समान की तरह और कई बार पेपर वेट की तरह|

18. "तुस्सी लोग करोड़ा रुपया दी पेंटिंग्स ले आन्दे हो अपने घर नु सज़ान लेई, त्वानु की पता ओ त्वानु की नेगेटिविटी दे रही है" - गुरुजी

आप सब करोड़ों रुपये खर्चा कर के अपने घरों को सजाने के लिए जो पेंटिंग्स ले आते हो, तुम्हे क्या पता अगर वो अपने साथ उस पेंटर की नेगेटिविटी भी तुम्हे दे रही हो | मैंने गुरुजी से कहा कि गुरुजी मेरी इतनी समर्थ नही है की मैं करोड़ों रुपये की पेंटिंग्स खरीद सकूँ तो उन्होने कहा "ओ हो मैं आम बात कर रहा हूँ |

Scanned with CamScanner

19. "दूर बैठा जो मेरे कोल नही पहुँच सकरेहा, ओ मेरी फोटो नाल गल करे. मैं सुनना हां" - गुरुजी अगर कोई दूर है और मेरे पास या बड़े मंदिर नही पहुँच सकता, वो मेरी फोटो से बात करे, मैं सबकी बात सनता हूँ |

20. " डिस्कशन करन नाल रब नही मिलदा" - गुरुजी गुरुजी के वचनों पर आपस में तर्क-वितर्क करना माना है, उससे हम अपने भगवान प्राप्ति, अपने लक्ष्य से चुक जायेंगे |

21. गुरु जी ने इंग्लिश में कहा -

"only dead fish swim with the tide". एक मरे ज़मीर वाला इंसान ही दुनिया के ग़लत रास्ते पर चलता है | हमें ग़लत हालात से समझोता ना करके, सच्चाई के रास्ते पर चलना चाहिए |

"self praise is no praise".
अपनी बढाई आप नही करनी |

"health is your real wealth".
तुम्हारी असली दौलत सेहत है |

"keep your ego in control".
अपने अहंकार को वश में करके रखो |

"life is not easy" I was told by Guruji, but prayer can sort out anything.

Scanned with CamScanner

"Those who pray are blessed".
ज़िन्दगी आसान नही है | दुआ हर मसले का हल है |

"Too much of everything is bad".
किसी भी चीज़ को बहुत ज़्यादा करना, अच्छा नही |

22. "डाक्टर अपना कम करन्गे मैं अपना". - गुरुजी
जब कभी कोई परेशानी हो तो डाक्टर को अपना काम करने दो मैं अपना काम करूँगा |

23. "दवाई वी ता लगदी है ज़द मैं ब्लेस्स करांगा" - गुरुजी
दवाई भी तभी काम करेगी जब मैं उसे आशीर्वाद दूंगा |

24. "पानी पीता करो, जे डाक्टर ऐ दस देवे तो ओदे कोल जाएगा कौन | पानी हर मर्ज़ दा इलाज है". - गुरुजी

पानी बहुत पिया करो, अगर डाक्टर ये सब बता दें तो उसके पास कौन जाएगा, पानी हर बीमारी की दवा है और सब रोग ठीक करता है |

25. "पेनक्रीयास एक ओ ऑर्गन (अंग) है जो रब ने अपने हाथ विच रखया है" - गुरुजी

पाचक-ग्रंथि एक ऐसा अंग है जिसकी प्रकिया भगवान ने अपने हाथ में रखी है |

Scanned with CamScanner

26. "चंगे दर्शन हो रहे ने, बाद विच मैं तारेयाँ वरगा नज़र आवांगा,.....संगत वदेगी", "जिनी मर्ज़ी जगह वदा लो (बड़े मंदिर के बारे में) फेर वी कम पएगि, ऐन्नी संगत वधेगि" - गुरुजी

बहत अच्छे दर्शन हो रहे हैं अभी, बाद में मैं तारों जैसा नज़र आऊंगा, मंदिर में आने वाली संगत इतनी बढेगी की जितनी मर्ज़ी जगह बढा लो कम ही पड़ेगी | एक समय वो भी था जब गुरुजी सबसे नही मिलते थे, जिससे वो मिलना चाहते उसे वो खुद बुला लेते थे |

27. "हालात बहत माढ़े आ रहे ने, जो पाठ करेगा ओ बच जाएगा" - गुरुजी

आने वाला समय बहुत खराब आ रहा है, जो प्रार्थना में विश्वास करेगा और पुरे मन से प्रार्थना करेगा वो ही बच पाएगा |

28. "एस मंदिर विच बारह (12) तीरथ स्थाना दा धाम है" - गुरुजी

जिसे हम प्यार से गुरुजी का आश्रम (बड़े मंदिर) कहते हैं वहां आने से बारह तीर्थ स्थानों का पुण्य एक साथ मिलता है तथा मेरा आशीर्वाद भी मिलता है ऐसा गुरुजी का कहना था |

Scanned with CamScanner

29. "मंदिर दे अन्दर सोना नही है..... कल्याण अधूरा रह जानदा है" - गुरुजी

बड़े मंदिर में कभी भी सोना नही चाहिए, वरना गुरुजी का आशीर्वाद अधूरा रह जाता है |

30. "गुरुआं नू कदे चिट्ठी नही लिखी दी ..... खुश रहा कर, जो होयगा अच्छा होयगा," - गुरुजी

गुरु को कभी चिट्ठी नही लिखनी चाहिए, हमेशा खुश रहा करो..... जो होगा अच्छा ही होगा |

31. "हाड़ माँस दा सामने बैठा हां, लोका ने इंसान समझ लिता.. – गुरुजी

मैं हड्डी और माँस का इंसान बना सामने बैठा हूँ, लोगों ने इंसान ही समझ लिया |

32. "लोकां नू बाद विच समझ आएगी की मैं की हां " – गुरुजी

लोगों को बाद में समझ आएगी की मैं क्या हूँ|

33. "मैं बहुत तप किता है, पत्तेयाँ ते निर्वाह किता है, बम्बई दी सडकां ते भीख मांगी है, तैनू पता है किन्ना मुश्किल होन्दा है ?" - गुरुजी

Scanned with CamScanner

मैंने बहुत कठिन तप किया है पत्तों पर निर्वाह (गुज़ारा) किया है, मैंने बम्बई की सड़कों पर भीख भी मांगी है, तुम्हे पता है कितना मुश्किल होता है ? गुरु का स्थान इतना बड़ा होता है की अगर वो चाहे तो एक ही समय में वो कई जगह पर एक साथ उपस्थित हो सकते हैं।

34. "त्वानु मैं इंसान नज़र आन्दा वा, जित्थे मैं खड़ा हां, मेनू तुस्सी लोग चींटी वरगे नज़र आन्दे हो" - गुरुजी
मैं तुम्हे इंसान की तरह नज़र आता हूँ, पर मैं जहाँ खड़ा हूँ वहा से तुम सब मुझे छोटी छोटी चींटी जैसे नज़र आते हो।

35. "माफ़ करन ही ते मैं आया वां" - गुरुजी
मैं इस ससार में तुम्हे माफ़ करने ही तो आया हूँ।

36. "मेरे विच सूरज नु कंट्रोल करन दी शक्ति है" - गुरुजी
मेरे पास इतनी शक्ति है की मैं सूरज को भी अपने अनुसार चला सकता हूँ।

Scanned with CamScanner

37. "सूरज हुन बुढ्ढा हो चला है" – गुरुजी

सूरज अब बुढ्ढा हो चुका है |

38. "मी वध्धेगा" – गुरुजी

धरती पर पानी बढ जायगा |

39. "लोकी पेड़ कटदे ने" - गुरुजी

लोग पेड़ काटते हैं, अच्छी बात नही है |

40." मेरे कोल आन दा रास्ता बहुत पथरीला है" - गुरुजी

मेरे पास आने वाला रास्ता आसान नही है |

41. "मैं नींबू वाकन निचोढांगा.... जे ज़रा वी रस रह गया फेर की फेदा ?" – गुरुजी

मैं नींबू की तरह निचोड़ लेता हूँ, तम्हारी हर तरह से परीक्षा लेता हूँ, अगर पूर्ण आत्म समर्पण नही करते तो फिर क्या फायदा ?

42. "जेह कोई मेरी तरफ इक कदम वी वधान्दा है ते मैं ओधी तरफ सौ कदम चलकर आन्दा हां" - गुरुजी

अगर कोई मेरी तरफ एक कदम भी बढता है तो मैं उसकी तरफ सौ कदम बढता हूँ |

Scanned with CamScanner

43. "लंगर ते चाय प्रशाद विच मेरी ब्लेस्सिंग्स ने, ऐनु व्रत वाले दिन वी खा सकदे हो, ओनू प्रशाद दी तरह देखो पदार्थ दी तरह नहीं | जद तुस्सी ऐथे लंगर खांदे हो त्वाडे घर दे मेंबर, जो नही आए, बच्चे, माँ, प्यो, ओ वी ब्लेस हो जांदे ने" - गुरुजी

लंगर और चाय प्रसाद तो तुम्हारी दवाई है और सब रोगों को ठीक करते हैं । इन्हें प्रसाद की तरह देखो, ना की इन्हे बनाने वाले पदार्थों की तरह | लंगर और चाय प्रसाद तो तुम व्रत में भी खा सकते हो | जब किसी परिवार का कोई एक सदस्य भी लंगर और चाय प्रसाद ख़ाता है तो, घर के बाकी सदस्य चाहे घर पर हों या अस्पताल में, सब को मेरा आशीर्वाद मिलता है |

44. "लंगर दा प्रसाद ऐथे खाओ ते दवाई, जे बाहर ले जाओ ते मिठाई" - गुरुजी

लंगर और चाय प्रसाद में मेरा आशीर्वाद होता है उसे यही (बड़े मंदिर) पूरा खाना चाहिए, कछ बचना नही चाहिए |

45. "लंगर प्रसाद नु दोबारा गरम नही करदे" - गुरुजी
लंगर प्रसाद को दोबारा गरम नही करना चाहिए |

Scanned with CamScanner

46. "मेरे ब्लेस्सिंग्स देन दे बड़े तरीके ने, इक संगत करना है, जो बोल्दा है ओदा वी भला जो सुन्दा है ओदा वी भला" - गुरुजी मेरे आशीर्वाद देने के बड़े तरीके हैं, उनमे से एक सत्संग करना भी है, जो बोलता है उसका भी भला होता है और जो उस सत्संग को सुनता है उसका भी भला होता है | जब आप अपने गुरु के द्वारा किये कल्याण को सब को सुनाते हो तो आप भी आशीर्वाद पाते हो और सुनने वाला भी आशीर्वाद पाता है | कभी कभी तो गुरुजी हमें दूर रख कर भी आशीर्वाद देते हैं |

47. "किन्ने कल्याण ते मैं गुप्त करना वां" - गुरुजी गुरुजी कब और क्या कल्याण करते हैं ज़रूरी नही है कि हमें पता हो |

48. "एहो जेहा गुरु मिलेगा किद्रे ? मैं कोई प्रवचन नही करदा, प्रैक्टिकल कर के विखान्ना हां" - गुरुजी ऐसा गुरु मिलेगा कहीं, मैं प्रवचन में विश्वास नही करता हूँ, सब कल्याण वास्तव में कर के दिखाता हूँ |

49. "सबतों वधिया रंग होंदे ने लाल, क्रीम और काला, फेर आन्दे ने जोगिया, संतरी, गुलाबी, पीला, हरा, जामनी ते सफ़ेद | गूढ़ नीला गुरुआ दा रग नही होंदा, औ नही वर्तना चाहिदा, नेगेटिवीटी होर कोंफ्युशन पैदा करदा है, पान वाले नु फिरोजी, आसमानी ते नेवी ब्लू चंगे हैं" - गुरुजी

Scanned with CamScanner

सबसे अच्छे रंग जो सकारात्मकता (पाजिटिविटी) और समृद्धि पैदा करते हैं वो हैं लाल, क्रीम और काला, और इनके बाद आते हैं केसरिया, संतरी, गलाबी, पीला, हरा, जामनी और सफ़ेद | गूढ़ नीला रंग गुरुओ का रग नही होता, इसे इस्तेमाल नही करना चाहिए, ये पहनने वाले को नकारात्मकता और भ्रांतियां पैदा करता है | फिरोजी, आसमानी और नेवी ब्लू रंग अच्छे होते हैं, ये इस्तेमाल कर सकते हैं |

50. "आँख, नाक, कान सब अग्गे हैं, पीछे नही, ऐदा रब नु शुकराना करना चाहिदा वे" - गुरुजी आप को अपने आँख, नाक, कान सब चेहरे पर आगे मिले हैं पीछे नही, इस बात का भगवान को बहुत बहुत धन्यवाद करना चाहिए |

51. "इंसान किस कम दा ? जानवर ता मर के वी कम आन्दे ने, चमड़े दे बेग, जुते, बेल्ट, ख़ान दे कम वी आन्दे ने, लेकन इंसान ते मर के किसी कम दा नही, जिन्दे जी सिर्फ पाठ कर सकदा वे" - गुरुजी

जानवर कितने काम करते हैं, मरने के बाद भी हमउनकी खाल से चमड़े के बेग, जुते, बेल्ट आदि बनाते हैं यहाँ तक की मरने के बाद उसे खा भी लेते हैं,

Scanned with CamScanner

पर इंसान मरने के बाद किसी काम का नही है इसीलिए इंसान अपने जीते जी सिर्फ पाठ करके अपना जन्म संवार सकता है |

52. गुरुजी के अनुसार गुरुजी के वचन याद करना भी संगत करना होता है | अपने व्यक्तिगत अनुभव और आशीर्वाद जो आप को गुरुजी से मिले, उनके बारे में सब को बताना भी एक तरह से गुरुजी को शुकराना करना ही होता है |

अक्सर गुरुजी कहते थे कि "मैंने जो तम्हारे कल्याण किये हैं सब को बताओ" |

53. "जे मैं इक वी बंदा रब पासे पा दित्ता, मेरा कम हो गया" - गुरुजी

अगर मैंने सिर्फ एक इंसान को भी भगवान तक पहुँचने के रास्ते पर डाला, तो मेरा काम हो गया समझो |

54. "जे करम चंगे ने, सब कछ लवो, कोई मनाई नही है" – गुरुजी

अगर आपके काम अच्छे हैं तो दुनिया के सब सुख गुरुजी आपकी झोली में डाल देंगे |

Scanned with CamScanner

55. "कदे वी मन्ता नही मंगते" - गुरुजी कभी भी अपना बुरा नही मांगनी चाहिए, गुरुजी के साथ क्रय-विक्रय नही चलता जैसे आप मुझे ये दोगे तो मैं इतने का प्रसाद चढाऊंगा, हम अपने परम पिता परमेश्वर को कछ नही दे सकते, अगर हम सेवा भी करते हैं तो वो भी अपनी मदद ही करते हैं ना की गुरुजी की।

56. एक बार एक छोटे पाठी (गरुद्वारे में ग्रन्थ साहब का पाठ करने वाले) ने गुरुजी से कहा की उसकी ज़िन्दगी में कछ भी ठीक नही है, पैसे नही हैं। गुरुजी ने जवाब दिया" जद लोका दे पाठ पढदा हैं किन्ने सफे पलट जानदा हैं"। (जब लोगों के लिए पाठ पढता है तो कितने पन्ने बिना पढे पलटता है) पाठी लोगों के लिए पाठ पढता था तो बीच में कई पन्ने बिना पढे ही पलट जाता था। फिर गुरुजी ने हमारी तरफ देखा और कहा "आपे पाठ किता करो" यानी पाठ अपने आप करना चाहिए किसी दुसरे के उपर निर्भर नही रहना चाहिए।

57. "लोकी पुत्तर मंगदे ने, जे मेंटली रिटारडेड पैदा हो जावे ता ?" - गुरुजी

लोग बेटा तो मांग लेते हैं, पर अगर वो मानसिक रूप से विक्षिप्त पैदा हो गया तो ?

Scanned with CamScanner

58. "जे गरीब नू खाना देना है ते पार्टी तो पहले ओदे वास्ते कड के रखो, बाद विच लेफ्ट ओवर नही" - गुरुजी

अगर आपको किसी ग़रीब या काम करने वालों को कुछ खाना देना है तो उत्सव शरू होने से पहले उनके लिए निकाल लें ना कि बाद का बचाजूठा उन्हें दें।

59. "जे भिखारी नू कुज नही देना ते कदे वी दुत्कारो ना, हाथ जोड़ दिता करो..... की पता कौन किदे भेस विच आजावे ?" - गुरुजी

अगर कोई भिखारी आपसे कूछ मांगता है पर आप कुछ नही दे पा रहे तो, हाथ जोड़ लें, ना जाने किस भेस में कौन आप के सामने खड़ा हो।

60. "घर विच मूरत ना रखो" - गुरुजी अपने घर में कोई भी मूर्तियाँ ना रखा करो जैसे घोड़ा, पक्षी, इंसान। इन्हे पानी में बहा दो यां पानी ना मिले तो ऐसे ही फैंक दो पर घर में मत रखो। घर को सजाना है तो फूलों से सजाओ।

61. गुरुजी एक बार एक दर्जी के पास अपने लिए पेंट सिलवाने गये तो दर्जी ने जेबों के लिए पूछा। गुरुजी ने हँस कर कहा "सानु बोज़या दी की लोढ़"

Scanned with CamScanner

यानी मुझे जेबों की क्या ज़रूरत है | गुरुजी पहले पेंट पहना करते थे पर बाद में उन्होने चोला पहनना शुरू कर दिया, किसी ने पूछा तो हँस कर कहा " ओय कोई गुरु मन्दा ही नही सी" यानी पेंट पहनने पर कोई गुरु मानता ही नही था |

62. "कदे किसी दी निंदा नही करनी चाहीदी, ओ घर बैठे त्वाडी पॉजिटिव कमाई ले जानदा है ते अपनी नेगेटिव कमाई त्वाडी झोली विच पा देन्दा है" - गुरुजी

कभी भी किसी की निंदा मत करो ऐसा करने से आपका आशीर्वाद उसे हस्तांतरित हो जाता है और उसकी नकारात्मक कमाई आपकी झोली में आ जाती है

63. "जद कोई अपना दुखड़ा त्वाडे सामने रोवे ओनू कवो, गुरुजी दे कोल जाओ, ओ ठीक करन्गे, सुंनि ना ओ त्वाडी पाजिटिविटी ले जानगे ते अपनी नेगेटिविटी छोड़ जानगे" - गुरुजी

कभी दूसरों के दुःख मत सनो, जब भी कोई आप के सामने अपनी व्यथा कहने की कोशिश करे उनसे कहो, गुरुजी के पास जाओ, वही सब ठीक करेंगे | सुनो मत अन्यथा वे अपनी नकारात्मकता आप को दे कर आपका आशीर्वाद ले जायेंगे |

Scanned with CamScanner

64. "जे तू फील करदी हैं की कोई तेरे बारे की कहदा है तां तू ओदे कण्ट्रोल इच हो गई, अपने कण्ट्रोल इच होना सिख" - गुरुजी

दुसरे आपके बारे में क्या कहते हैं, इस बात से प्रभावित होने के स्थान पर अपने नियंत्रण मे रहना सीखो।

65. "गुप्त पाठ और गुप्त दान कीत्ता करो, नाल बैठे नु ना पता चले की तुस्सी पाठ कर रह हो" - गुरुजी प्रार्थना और पाठ हमेशा इतनी शांति से करना चाहिए की आप के आस-पास बैठे किसी को पता भी नही चले की आप पाठ कर रहे हो। इसी तरह दान भी गुप्त होना चाहिए की एक हाथ को पता ना चले दुसरे ने कुछ दिया है।

66. "घर विच कैक्टस ते बोनसाई नही रखना चाहिदा" - गुरुजी

घर में नागफनी तथा बोनसाई जैसे ना बढने वाले पौधे नहीं रखने चाहिए।

67. "ओ सेवा जिदे पीछे माँग है, ओ असल सेवा नही, असल सेवा तां निस्स्वार्थ होन्दी है" - गुरुजी

अगर सेवा के पीछे कोई अप्रत्यक्ष स्वार्थ छुपा है, तो वो निस्वार्थ सेवा नही है, असल सेवा बिना किसी मांग तथा स्वार्थ के होती है।

Scanned with CamScanner

68. " जो कम तुस्सी करदे हो, ओदे कारण नाल किसी होर दा वी भला हो जावे ता की फर्क पेंदा है" - गुरुजी

अगर अपने दैनिक कामों को करने से किसी का भला हो जाता है तो क्या फर्क पड़ता है ?

69. "जो प्रवचन करदे ने, बोल्दे ने, ओ असल गुरु नही. असल गुरु हमेशा अपने आप नू लुकायेगा" - गुरुजी

जो वास्तविक गुरु होते हैं वह हमेशा अपनी पहचान गुप्त रखते हैं, और जो आगे बढ बढ कर अपने बारे में खुद ही बताते हैं वह सच्चे गुरु नही होते |

70. "एक बार हम गुरुजी के साथ रात के 2 बजे तक बैठे थे और गुरदास मान जी का गाना "रातों को उठ उठ कर" चल रहा था और तब हमे पता लगा की गुरुजी हमारे लिए कितनी प्रार्थना, कितना तप करते हैं ताकि हम रातों को शांति से सो सकें | गुरुजी कभी नही सोते थे, वे निरंतर पाठ करते रहते थे |

71. "दो जने नाल बैठे होन्गे, फ्रेगरेंस इक नु आएगी दूजे नू नही क्योंकि ए मेरे उत्ते है कीनू देनी है" - गुरुजी

गुरुजी के शरीर से निकलने वाली खुशबु, उनकी इच्छा के अनुसार निकलती थी | गुरुजी के अनुसार

Scanned with CamScanner

ये भी एक तरह का प्रशाद था जिसे पाने वाला उसे कही भी पा सकता था मंदिर में भी और घर बैठे भी।

72. गुरुजी ने एक बार कहा "की खाओगे? टमाटर विच वी स्प्रे है" गुरुजी

खाने पीने की वस्तओ के दूषित तथा संदूषण की वजह से परेशान रहते थे।

73. गुरुजी = "गुर बानी दे टप्पे सुन्दे हो?" (गरु वाणी के शब्द सुनते हो?) मैने जवाब दिया "हांजी गुरुजी कदी कदी" (हाँ गुरुजी कभी कभी) गुरुजी = "समझ आन्दे ने ?" (समझ आते हैं?) मैने कहा "जी थोड़े थोड़े" (जी थोड़े थोड़े) गुरुजी = "सुन्या करो, चन्गे होंदे ने" (सुना करो अच्छे होते हैं)

74. "जद मैं त्वानु डांस करवाना वा, त्वाडी बॉडी दा पूरा एक्स रे खिंच जानदा है होर जिथे खराबी होन्दी है मैं ठीक करना वां" - गुरुजी

जब भी मैं आप से नत्य करवाता हूँ तो आपके शरीर का पूरा खांचा मेरे सामने खीच जाता है और जहाँ भी कोई कमी या खराबी होती है मैं ठीक करता हूँ।

75. गुरुजी हमेशा संगत से "शिव पुराण" पढने के लिए कहते थे।

Scanned with CamScanner

76. "बोता पैसा चंगा नही होन्दा, साईं इतना दीजिये जा में कुटुंब समाय" - गुरुजी ज्यादा पैसा अच्छा नही होता, भगवान से हमेशा प्रार्थना करनी चाहिए की इतना दीजिये जितना मेरे परिवार के लिए पूरा हो।

77. "गुरु अग्गे अपने कम बख़्शवा लेने चाहीदे ने, ओ करम जो त्वान नही पता की तुस्सी ग़लत करे ओ वी" - गुरुजी

गुरु के सामने प्रार्थना कर के अपने कर्मों की माफी मांग लेनी चाहिए, उन कर्मों की भी जो आपको नही पता की आपने कुछ ग़लत कर दिए हैं।

78."गुरु वास्ते एन्ना प्यार होना चाहिदा है कि सोंदे, जगदे, लिपिस्टिक लगान्दे वेले वी गुरु चेता होवे" - गुरुजी
आपका अपने गुरु के लिए प्यार ऐसा होना चाहिए की सोते, जागते और अपने दैनिक कामों को करते हुए भी आप अपने गुरु को ही याद करते हों।

79. एक दिन मैंने गुरुजी से पूछा "मोक्ष मिलदा है"(क्या कभी मोक्ष मिलता है) गुरुजी ने जवाब दिया "जे चंगे कम करो ता" (हाँ मिलता है अगर अच्छे और मानवता के काम करो तो)

Scanned with CamScanner

80. "मैं एक रसिक बैरागी हूँ जो तुम्हे पारिवारिक उत्तरदायित्व निर्वाह के साथ साथ प्रार्थना के मार्ग पर चलना सिखलाता है" - गुरुजी

81. "मैं सृष्टि दे फेर विच कदे वी हस्तक्षेप नही करदा....लेकिन किसे उत्ते गरुआ दी मौज आ जावे, लेख मिटा के नवा लेख लिख सकना वां" - गुरुजी मैं सृष्टि के कामों में कभी हस्तक्षेप नही करता, लेकिन अगर कभी गुरु अपने किसी भक्त पर मेहरबान हो जाए तो सृष्टि का लिखा मिटा कर नया लेख भी लिख सकते हैं।

82. "गुरुआ दी गल, पत्थर दी लकीर" - गुरुजी गुरु जो बात कह देते हैं वो पत्थर की लकीर की तरह है, जो कहा है वो होना ही है।

83. "नेगेटिव गाने नही सुनने चाहीदे....हर नेगेटिव सीरियल, पिक्चर नही वेखनी" – गुरुजी दुःख भरे गाने, सीरियल और फिल्म नही सुनने और देखनी चाहिए।

84. "मंगलिक, फजूल दे वहम ने" - गुरुजी किसी इंसान का मंगलिक होना बेकार के वहम हैं।

85. "नॉन वेज नही खाओगे ते चन्गे रहोगे" - गुरुजी शाकाहारी रहोगे तो सुखी रहोगे।

Scanned with CamScanner

86. "घर दा लंगर सबतों चंगा होंदा है" - गुरुजी
घर का बना खाना ही सबसे अच्छा होता है, बाहर ज्यादा नहीं खाना चाहिए।

87. "आत्महत्या करना बहुत वड्डा पाप होन्दा है" - गुरुजी
आत्महत्या करना महापाप होता है।

88. जब गुरुजी से किसी अन्य पवित्र धार्मिक स्थान के बारे में पूछा गया तो उन्होने कहा "अजमेर शरीफ सच्चा और पवित्र धार्मिक स्थल है"।

89. एक बार गुरुजी से किसी स्त्री गुरु के बारे में पूछा गया तो उन्होने कहा "औरत कदी गुरु नही हो सकदी" (औरत कभी भी गुरु नही बन सकती)

90. "जद तुस्सी डायमंड पानंदे हो, चंगी क्वालिटी लेनी चाहीदी है, क्योंकि ओदा त्वाडे उत्ते असर होन्दा है" - गुरुजी
जब भी आप कोई हीरे की वस्तु पहनने का मन बनाते हो तो अच्छी गुणवत्ता वाला हीरा ही पहनना चाहिए, क्योंकि उसका पहनने वाले पर असर होता है।

91. "मैं किसी पोलिटिकल पार्टी नु बिलोंग नही करदा" - गुरुजी
मैं किसी राजनैतिक पार्टी से सम्बंधित नही हूँ।

Scanned with CamScanner

92. "चढाए होय फूल नही लेने चाहीदे, घर जांदे वक्त नदी विच बहा देना" - गुरुजी गुरुजी का आदेश था की चढाए हए फूल नही लेने चाहिए, और अगर मिल जाए तो घर जाते हए नदी में बहा देने चाहिए।

93. "सलवार कमीज़ सबतों चंगी ड्रेस होन्दी है" - गुरुजी
सलवार कमीज़ सबसे अच्छी पोशाक होती है, साड़ी से भी अच्छी।

94. "भावे सब दे कोल पूरा घर है पर रहना एक ही रूम विच है। रहने वास्ते घर दा एक कमरा ही कम आन्दा है"- गुरुजी

सब के पास अपना पूरा घर होता है, पर रहने के लिए सिर्फ एक कमरे की ही आवश्यकता होती है

95. ताम्बे के लोटे के बारे में गुरुजी ने कहा ये अपनी कमाई से खरीदना चाहिए।

96. "जे मेरी फोटो नाल ताम्बे दा लोटा छआ दओ तां ओ ब्लेस हो गया। कदे वी लोटे नु डिटरजेंट दे नाल नही धोना राती नींबू या राख दे नाल धो के भर के रखो, सवेरे पहला पी लो" - गुरुजी

सिर्फ मेरी फोटो से ताम्बे का लोटा छआ भर देने से वो अभिमंत्रित हो जाता है। ताम्बे के लोटे को

Scanned with CamScanner

कभी साबुन इत्यादि से नही साफ करना चाहिए | रोज़ रात को नींबू या राख से धो कर पानी से भर कर रख देना चाहिए और सुबह सबसे पहले वही पानी पीना चाहिए |

97. "बच्चया नू पढाई वास्ते ज़ोर नही पाना चाहिदा" - गुरुजी

बच्चों पर पढाई का बहत ज़्यादा भार नही डालना चाहिए, उन्हें अपनी क्षमता के अनुसार ही पढने देना चाहिए |

98. "ए कलयुग है, एदे विच रब जल्दी मिल जानदा वे, पुट्ठा नही लटकना पेंदा" - गुरुजी

ये कलयुग है, इस युग में भगवान बहत शीघ्र और आसानी से मिल जाते हैं | उन्हे पाने के लिए कठिन तप करने यां पेड़ से उल्टे लटकने की ज़रूरत नही है बस प्रार्थना करो और भगवान का शुकराना करो |

99. गुरुजी को "फेंग शुई" पर कभी विशवास नही था

100. गुरुजी के शरीर से एक खुशबु निकलती थी | उन्होने बताया की ये बरसों के तप से होता है.... अपने अन्दर का एक ऐसा स्वर्ग जिसे "सचखण्ड" भी कहा जाता है |

Scanned with CamScanner

101. गुरुजी की नज़र में कोई नई संगत या पुरानी संगत जैसा कुछ नही था, सब एक बराबर थे | उनका कहना था की मेरे साथ कितने वर्ष का साथ है कभी मत गिनो क्योंकि सिर्फ उन्हे पता है की हम उनके साथ कितने जन्मों से जुड़े हुए हैं | गुरुजी भूत, वर्तमान और भविष्य, सब देख सकते थे और उनसे कछ भी नही छुपा हआ था | गुरुजी किसी को भी ये बता देते थे की कब उसने क्या खाया सिर्फ ये बताने के लिए की वो सब जानते हैं|

102. "मेरे नाल डायरेक्ट कनेक्शन जोड़ो" - गुरुजी सीधा मेरे साथ संपर्क रखो |

103. मैं पहले उन्हें आशीर्वाद देता हूँ जो तुम्हे मेरे पास लाता है, और उसके बाद की यात्रा तुम्हारी अपनी है |

104. "गुलाब विच वी कंडा होंदा है " - गुरुजी अगर किसी अच्छी चीज़ या काम के साथ कुछ बुरा जुड़ा होता है तो उसे भी अच्छे की तरह ही स्वीकार करो क्योंकि संपूर्ण दोषरहित कुछ नही होता, जैसे गुलाब के साथ कांटे भी होते हैं |

Scanned with CamScanner

105. गुरु अपना आशीर्वाद देने के बाद कभी वापिस नही लेते | गुरु के काम करने के तरीके आश्चर्यजनक होते हैं | हमें उनके आशीर्वाद को भौतिक वस्तुओं और नफे नुक्सान से नही मापना चाहिए |

जय गुरुजी महाराज

(सबीना कोचर आंटी द्वारा संकलित)

Scanned with CamScanner